2022

(February)

HINDI

(Honours)

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो।
होकर मधु के मीत मदन, पटु, तुम कटु गरल न गारो,
मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो।
नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,
बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह—यह हरनेत्र निहारो!

(ख) बुलबुले सिन्धु के फूटे
नक्षत्र मालिका टूटी
नभ मुक्त कुन्तला धरणी
दिखलाई देती लूटी

(ग) दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

(घ) आज बैठी है ज़िरहबख्तर पहनकर
तख्त पर दिल के
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,
आँखें चिलकती हैं नुकीले तेज पत्थर सी,
खड़ी हैं सिर झुकाए
सब कतारें
बेज़ुबाँ बेबस सलाम में,

(ङ) अक्सर महसूस होता है कि बगल में बैठे हुए दोस्तों के चेहरे और अफ्रीका की धुँधली नदियों के छोर एक हो गये हैं। और भाषा जो मैं बोलना चाहता हूँ मेरी जिह्वा पर नहीं बल्कि दाँतों के बीच की जगहों में सटी हुई है।

2. पठित अंश के आधार पर उर्मिला की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'साकेत' के नवम सर्ग के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

3. पठित काव्य के आधार पर 'आँसू' की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

पठित अंश के आधार पर 'आँसू' कृति की मूल संवेदना को रेखांकित कीजिए।

4. मुक्तिबोध द्वारा रचित 'भूल-गलती' के काव्य-सौन्दर्य को रेखांकित कीजिए। 15

अथवा

'पराजित पीढ़ी का गीत' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. 'बिना नाम की नदी' नामक कविता में निहित मूल भावों को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

रघुवीर सहाय के काव्य की काव्यगत विशेषताओं को विवेचित कीजिए।

★ ★ ★